PRESS RELEASE

Delhi School of Journalism

The First Media Festival of Delhi School of Journalism was held on 12 and 13 April 2018.

The first day saw seven intercollege Competitions-Quiz, RJ Hunt, Ad-Mad, BhashanPratiyogita, Creative Writing, on the spot Photography and Poetry Competitions. There was a large participation by students from all over Delhi colleges.

The second day a National Seminar on Media and Nationalism was organized with Shri K.G Suresh, Director IIMC, delivered the Key Note Address, Dr. Uma Shankar Pandey Prof, Mass Communication, University of Kolkatta, Ms. Smita Prakash, Editor ANI, Shri Alok Bajpai, Kanpur, Dr. Avanijesh Awasthi, Prof, PGDAV College, and Prof. Shanta N Varma Prof, Dept. of Political Science, University of Delhi.

The day second started with the Seminar on 'Media and Nationalism'. The invited speakers gave their presentation. Shri K.G Suresh delivered the Key Note Address. While speaking, K.G Suresh emphasized that Media is responsible for showing the truth. Real Journalism is that which is in the interest of the Nation. He said that 'there has been a deep polarization in Media 'There is more activism and less journalism in media today. Many times opinions are mixed with News. He appealed to the students that the youth have to be dedicated readers, absorbers and then they can become good Journalists. He also pointed out that when he introduced a course in Sanskrit it was prounced as bhgawakaran of education but not when he introduced a course in other languages are introduced. This kind of argument is beyond any justification.

He also referred to the Constitution clause 19 a and said that it means freedom of speech and expression and does not mean licesence to speech and expression as there are reasonable restrictions also. He said that why media only covers the stone pelters why they don’t cover the cashmere youth who are joining Indian army and Police to serve the Nation.

While addressing the gathering Ms. Smita Prakash said that changes have to come in homes. Youth should try to bring change in their day to day dealing in families. She also emphasized the need to read and read. Dr. Avanijesh Awasthi , Dr. Umashankar Pandey and Prof. Shanta N. Varma also talked about how Nationalism and Bhartiyata. Dr. Alok Bajpai talked about Media and Gandhi.

The afternoon session was the presentation of papers by Assistant/Associate professors on sub themes related to the brooder theme of Media and Nationalism. The evening witnessed a wonderful light music programme by Shantanu Arora and his Band.

Manasvini M Yogi

OSD, Delhi School of Journalism.

9811098070

प्रेस रिलीज़

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म का पहला मीडिया महोत्सव 12 और 13 अप्रैल 2018 को आयोजित किया गया।

पहले दिन सात इंटरकॉलेज प्रतियोगिताओं-क्विज, आरजे हंट, एड-मैड, भाषाप्रतियोगिता, क्रिएटिव राइटिंग, स्पॉट फोटोग्राफ़ी और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दिल्ली के सभी कॉलेजों के छात्रों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की।

दूसरे दिन मीडिया और राष्ट्रवाद पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, श्री के जी सुरेश, आईआईएमसी के निदेशक, डॉ उमा शंकर पांडे प्रोफेसर, मास कम्युनिकेशन, कोलकाता विश्वविद्यालय, सुश्री स्मिता प्रकाश, संपादक एएनआई, श्री आलोक बाजपेई, कानपुर, डॉ. अवनीजेश अवस्थी, प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज और प्रोफेसर शांता एन वर्मा प्रो. राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने भाग लिया।

दूसरा दिन 'मीडिया और राष्ट्रवाद' पर संगोष्ठी के साथ शुरू हुआ। आमंत्रित वक्ताओं ने अपनी प्रस्तुति दी, श्री के जी सुरेश ने मुख्य वक्ता थे। के.जी सुरेश ने जोर देकर कहा कि मीडिया सच्चाई दिखाने के लिए जिम्मेदार है। वास्तविक पत्रकारिता यह है कि जो राष्ट्र के हित में है उन्होंने कहा कि 'मीडिया में गहरा ध्रुवीकरण किया गया है' मीडिया में आज पत्रकारिता में आक्रामकता ज्यादा पत्रकारिता कम है। कई बार समाचारों के साथ विचारों को मिलाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि युवाओं को समर्पित पाठक होना चाहिए और फिर वे अच्छे पत्रकार बन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने

संस्कृत में एक पाठ्यक्रम पेश किया तो इसे शिक्षा का भगवाकरण के रूप में के रूप में उजागर किया गया, लेकिन जब उन्होंने अन्य भाषाओं में एक पाठ्यक्रम पेश किया तो उन पर कोई त्प्पिनी नहीं की। इस प्रकार का तर्क किसी भी दृष्टि से औचित्य से परे है।

उन्होंने संविधान 19 के संधर्भ कहा कि इसका अर्थ है भाषण की और अभिव्यक्ति की आजादी इसका अर्थ भाषण का लाइसेंस नहीं है, क्योंकि इसमें उचित प्रतिबंध भी हैं। उन्होंने कहा कि क्यों मीडिया केवल पत्थर के मारने वालो को ही कवर करता है ?, क्यों वे कश्मीरी युवा को कवर नहीं करते हैं जो भारतीय सेना में शामिल हो रहे हैं और राष्ट्र की सेवा के लिए पुलिस में भी ।

सभा को संबोधित करते हुए सुश्री स्मिता प्रकाश ने कहा कि घरों में बदलाव आना होगा। युवाओं को अपने दिन-प्रतिदिन परिवारों में व्यवहार करने में परिवर्तन लाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने पढ़ने और पढ़ने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। डॉ. अवनीजेश अवस्थी, डॉ. उमाशंकर पांडे और प्रोफेसर शांता एन वर्मा ने भी राष्ट्रवाद और भारतीया के बारे में बात की। डॉ। आलोक बाजपेई ने मीडिया और गांधी के बारे में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

दोपहर सत्र में मीडिया और राष्ट्रवाद के अनेक सम्भंदित विषयों एवं उप विषयों पर असिस्टेंट / एसोसिएट प्रोफेसरों द्वारा पत्रों की प्रस्तुति कि गई। शाम को शांतानु अरोड़ा और उनके बैंड द्वारा संगीत के कार्यक्रम का आयोजन किया गया गया।

मानसविनी एम योगी
ओएसडी, दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म
9811098070

Delhi School of Journalism
University of Delhi
arushan 2018
SAMEEKSHA
National Seminar on Media And Nationalism
M.M. YOGI
UMASHANKAR PANDEY
SHANTA N. VARMA
K.G. SURESH
SMITA PRAKASH
ALOK BAJPAI

xpress minds
MAHISHMATI
The India Quiz
Delhi School of Journalism
Thursday, 12 April 2018
BISHA

MURPHY 103 FM
Where ideas meet creativity
DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
MURPHY
12 April

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)
एवं
दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म के संयुक्त तत्वावधान में
"रेडियो जॉकी"
Website: www.dpl.gov.in
DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
MURPHY
12 April
Advertisement Making Competition
12 April | Time : 02:00 PM - 04:00 PM
CASH PRIZES
WORTH RS 5000

DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
PRESENTS
arushan 2018
POESIA
INTER COLLEGIATE POETRY COMPETITION
JUDGE
CASH
WORTH
DELHI SCHOOL OF JOURNALISM
PRESENTS
MURPHY
12 April
12 April | Time : 02:00 PM - 04:00 PM
CASH PRIZES
WORTH RS 5000